Narmada Valley Project

***341. Shri Yashpal Singh:**
Shri P. R. Chakraverti:
Shri H. C. Linga Reddy:
Shri Surendra Pal Singh:
Shri Jashvant Mehta:
Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri Kolla Venkaiah:
Shri P. R. Patel:
Shri Man Sinh P. Patel:

Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state:

(a) whether any agreed scheme has been evolved for the construction of Narmada Valley Project which has the approval of the concerned States;

(b) if so, the broad details hereof; and

(c) when the actual work would be taken in hand?

The Minister of State in the Ministry of Irrigation and Power (Dr. K. L. Rao): (a) Not yet.

(b) and (c). Do not arise.

Mahalanobis Committee's Report

***342. Shri Bibhuti Mishra:**
Shri K. N. Tiwary:
Shri D. C. Sharma:

Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Mahalanobis Committee has submitted the second part of its report on distribution of income in the country;

(b) if not, the reasons for the delay; and

(c) when the Committee will submit the report?

The Minister of State in the Ministry of Finance (Shri B. R. Bhagat): **(a) No. Sir.**

(b) Since the question is of a technical nature involving examination of complex statistical data, the Committee has not yet been able to complete its task.

(c) It is hoped that the Committee would be able to submit its report before long.

विदेशी सहायता को स्वीकार न करना

***343. श्री विश्राम साद :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने कुछ विदेशी सरकारों द्वारा तीसरी पंचवर्षीय योजना के लिये दी गई वित्तीय सहायता को स्वीकार नहीं किया ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि उसके परिणामस्वरूप भारत को अपना वायदा पूरा न कर सकने के कारण शुल्क देना पड़ा था; और

(घ) यदि हां, तो उसकी राशि क्या है ?

वित्त मंत्री (श्री शचीन्द्र चौधरी) : (क) जी नहीं; ऐसा कोई मामला नहीं हुआ जिसमें भारत सरकार ने ऐसी रकमें स्वीकार नहीं कीं जिनके लिए विदेशी ऋण-दाताओं के साथ ऋण-करारों पर हस्ताक्षर किये जा चुके थे । फिर भी, ऐसे मामले हुए हैं जिनमें हस्ताक्षरित ऋण-करारों की रकमों में से विदेशी मुद्रा की कुछ रकमें खास कारणों से इस्तेमाल नहीं की गयीं ।

(ख) से (घ). केवल कुछ मामलों में, इस्तेमाल न की गयी रकमों के सम्बन्ध में वचनबद्धता प्रभार (कमिटमेंट चार्जेज) देय हो गया है । सभा की मेज पर एक विवरण रख दिया जायगा जिसमें यह बताया जायगा कि ऐसे ऋणों में से, जिनके खाते बन्द हो चुके हैं, कितनी रकमों का उपयोग नहीं किया गया और उसके क्या कारण थे तथा कितना वचनबद्धता प्रभार दिया गया ।